

Daily Current Affairs

Date : 20 May, 2026



अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	'तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम' में राजस्थान को विश्व स्तर पर प्रथम सम्मान
2.	राजस्थान विधान सभा के 75 वर्ष (चार मुख्य कार्यक्रम)
3.	क्रिटिकल मिनरल्स का प्रमुख केंद्र : सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स (SRC)
4.	मानव सुधार : भारतीय टेस्ट टीम में शामिल
5.	इराक के नए प्रधानमंत्री
6.	भुवन चंद्र खंडूरी
7.	आयुष अनुदान पोर्टल
8.	इटालियन ओपन, 2026
9.	शहीद वीर गुंडाधुर
10.	भारत- बांग्लादेश व्यापार
11.	विशेषाधिकार हनन का नोटिस
12.	भारत में संघवाद की चुनौतियाँ
13.	स्वयं सहायता समूह और महिला सशक्तीकरण
14.	फारस की खाड़ी जलसंधि प्राधिकरण
15.	भारत-दक्षिण कोरिया संबंध
16.	सोलर विंड मैग्नेटोस्फीयर आयनोस्फीयर लिंक एक्सप्लोरर (SMILE) मिशन/ स्माइल मिशन
17.	पतली फिल्मों में नैनो-गोल्ड का समावेश

--:1:--



राजस्थान परिदृश्य



'तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम' में राजस्थान को विश्व स्तर पर प्रथम सम्मान



चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा वर्ष 2026 के 'वर्ल्ड नो टोबैको डे अवॉर्ड' के तहत राजस्थान को विश्व स्तरीय सम्मान प्रदान किया गया।



**राजस्थान को
तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में,
विश्व स्तर पर मिला
प्रथम सम्मान**



WHO

**ने राजस्थान के उत्कृष्ट प्रयासों
को सराहा**



मुख्य बिन्दु:

- प्रदानकर्ता : विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)
- प्राप्तकर्ता : चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग (राजस्थान सरकार)

--:2:--

Daily Current Affairs

Date : 20 May, 2026



- **रीजन** : राजस्थान को यह प्रतिष्ठित सम्मान दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र श्रेणी में प्रदान किया गया।
 - उल्लेखनीय है कि WHO द्वारा विश्वभर के देशों को 6 रीजन्स; यथा - अफ्रीकन रीजन, रीजन ऑफ़ अमेरिकाज, ईस्टर्न मेडिटेरेनियन रीजन, यूरोपियन रीजन, साउथ-ईस्ट एशिया रीजन एवं वेस्टर्न पेसिफिक रीजन में विभाजित कर यह अवार्ड प्रदान किया जाता है।
 - वर्तमान में, राजस्थान में ब्लॉक स्तर तक 500 से अधिक 'तम्बाकू मुक्ति उपचार एवं परामर्श केंद्र' संचालित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों को जियो-टैग कर आमजन की सुविधा के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराया गया है ताकि जरूरतमंद व्यक्ति निकटतम केंद्र तक आसानी से पहुँच सके।
 - साथ ही, 'सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम-2003' तथा 'इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम-2019' के तहत प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है।
- फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स :**
- **विश्व तंबाकू निषेध दिवस** : विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रति वर्ष 31 मई को।
 - **वर्ष 2026 की विषयवस्तु** : "आकर्षण का नकाब हटाना - निकोटीन और तंबाकू की लत का मुकाबला।" (Unmasking the appeal - countering nicotine and tobacco addiction)

--3--

राजस्थान विधान सभा के 75 वर्ष (चार मुख्य कार्यक्रम)

चर्चा में क्यों?

- एक वर्ष तक चलने वाले 'अमृत महोत्सव' के तहत राजस्थान विधान सभा द्वारा चार मुख्य कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।



मुख्य बिन्दु:

- **पूर्व एवं वर्तमान विधायक सम्मेलन** : जुलाई, 2026 में होने वाला प्रथम कार्यक्रम राजस्थान की पहली से सोलहवीं विधान सभा तक के पूर्व एवं वर्तमान सदस्यों का सम्मेलन होगा। इस सम्मेलन में महत्त्वपूर्ण एवं उत्कृष्ट कानूनों, सामाजिक परिवर्तनकारी निर्णयों और संसदीय परंपराओं की समीक्षा की जाएगी।
- **महिला विधायकों का सम्मेलन** : अक्टूबर, 2026 में देशभर की महिला विधायकों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

--:4:--

Daily Current Affairs

Date : 20 May, 2026



- **युवा संसद** : जनवरी, 2027 में देश की युवा शक्ति को लोकतंत्र की जड़ों से जोड़ने और संविधान के प्रति जागरूक करने के लिए तथा संसदीय शिष्टाचार की जानकारी देने हेतु युवा संसद का आयोजन किया जाएगा।

- **अखिल भारतीय विधायी महाकुंभ** : राजस्थान दिवस - 2027 के अवसर पर 'अखिल भारतीय विधायी महाकुंभ' का आयोजन प्रस्तावित है। इसी के साथ राजस्थान विधान सभा के अमृत महोत्सव का समापन होगा।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स (राजस्थान विधान सभा) :

- भारत के संविधान के अनुच्छेद 168 (1) एवं (2) के अनुसार राजस्थान विधान मंडल राज्यपाल एवं विधान सभा से मिलकर बना है।
- आम चुनावों के बाद राजस्थान में पहली विधान सभा का गठन 23 फरवरी, 1952 को हुआ और पहली बैठक 29 मार्च, 1952 को हुई।
- प्रथम विधानसभा (1952) का गठन 160 सदस्यों के साथ हुआ था, छठी विधानसभा (1977) से सदस्यों की संख्या बढ़ाकर 200 की गई।
- वर्तमान में राजस्थान विधानसभा में 200 सीटें हैं।
- **आरक्षित सीटें** : 34 सीटें अनुसूचित जाति (SC) और 25 सीटें अनुसूचित जनजाति (ST) के लिए आरक्षित।
- **राजस्थान विधानसभा के प्रथम अध्यक्ष** : नरोत्तम लाल जोशी।

16वीं राजस्थान विधानसभा की वर्तमान स्थिति:

- **राज्यपाल** : हरिभाऊ किसनराव बागडे।
- **विधानसभा अध्यक्ष** : वासुदेव देवनानी।
- **मुख्यमंत्री** : भजन लाल शर्मा।
- **नेता प्रतिपक्ष** : टीकाराम जूली।

--:5:--

क्रिटिकल मिनरल्स का प्रमुख केंद्र : सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स (SRC)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय खान एवं कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी द्वारा जयपुर में खान एवं कोयला विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

मुख्य बिन्दु:

- बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा 'सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स' के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदेश में नोडल अधिकारी नियुक्त किये जाने के निर्देश जारी किये गए।
- सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स (SRC) मुख्य रूप से एक ढह चुकी काल्डेरा संरचना है; यह एक एनोरोजीनिक, रिफ्ट-संबंधी, द्वि-मोडल ज्वालामुखी-प्लूटोनिक चट्टान समूह है जो 'मालानी आग्नेय समूह' का हिस्सा है।
- सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स बाड़मेर एवं बालोतरा जिले में लगभग 725 वर्ग किलोमीटर में विस्तृत वृत्ताकार/अर्धवृत्ताकार आग्नेय चट्टानों की संरचना है।
- सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स एवं सिवाना ग्रेनाइट में रेयरअर्थ एलिमेंट एवं हेवी रेयरअर्थ एलिमेंट उपलब्ध है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

- **पेट्रोग्राफी** : पेट्रोग्राफी चट्टानों का अध्ययन है, जिसमें चट्टान के अंदर मौजूद खनिजों और उनकी बनावट के आपसी संबंधों का वर्णन किया जाता है। पेट्रोग्राफिक विश्लेषण से चट्टानों के वर्गीकरण समूह का पता चलता है। पेट्रोग्राफिक विवरणों में चट्टान के खुले हिस्सों (आउटक्रॉप) से जुड़े फ़ील्ड रिकॉर्ड और पतले टुकड़ों का अध्ययन शामिल होता है।
- **मुख्य क्षेत्र** : सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स के अंतर्गत मुख्य रूप से देवड़ा, मेली, भाटी खेड़ा, मंगला, बालू, राखी और दांतला आदि क्षेत्र शामिल हैं।

Daily Current Affairs

Date : 20 May, 2026



- इन क्षेत्रों में ग्रेनाइट, माइक्रोग्रेनाइट, रायोलाइट, ट्रैकाइट, ट्रैकी-डेसाइट, बेसाल्ट और डोलेराइट आदि प्रकार की चट्टानें पाई जाती हैं।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स :

देश के पहले हार्ड रॉक ब्लॉक भाटीखेड़ा की नीलामी

- हाल ही में, केन्द्रीय खान मंत्रालय ने भारत के पहले हार्ड रॉक ब्लॉक भाटीखेड़ा की नीलामी प्रक्रिया सम्पन्न की।
- ज्ञातव्य है कि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग व एटोमिक मिनरल्स डायरेक्टरेट की ओर से रिसर्च के पश्चात सिवाना के भाटीखेड़ा में 1.34 वर्ग किमी के ब्लॉक को ऑक्शन के लिए चिह्नित किया गया था।
- **रेयर अर्थ कॉरिडोर :** केंद्रीय बजट 2026-27 में ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में 'डेडीकेटेड रेयर अर्थ कॉरिडोर' बनाने की घोषणा की गई है ताकि खनन और प्रोसेसिंग को बढ़ावा दिया जा सके।
- **नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन :** जनवरी, 2025 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सात वर्षों के लिए ₹34,300 करोड़ के कुल परिव्यय के साथ 'नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन' (NCMM) को स्वीकृति प्रदान की। इस मिशन का उद्देश्य क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है।

--7--

मानव सुथार : भारतीय टेस्ट टीम में शामिल

चर्चा में क्यों?

- श्रीगंगानगर के युवा स्पिनर मानव सुथार को अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए भारतीय टेस्ट टीम में पहली बार शामिल किया गया है।



मुख्य बिन्दु:

- मानव सुथार इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में गुजरात टाइटंस टीम के लिए खेलते हैं।
- उल्लेखनीय है कि 12 वर्ष बाद राजस्थान के किसी खिलाड़ी को भारतीय टेस्ट टीम में मौका मिला है।

भारत के लिए खेलने वाले राजस्थान के 4 अन्य खिलाड़ी:

1. सलीम दुरानी (1959-60 से 1972-73) 29 टेस्ट मैच खेले।
2. हनुमंत सिंह (1963-64 से 1969-1970) 14 टेस्ट मैच खेले।
3. पार्थसारथी शर्मा (1974-75 से 1976-77) 5 टेस्ट मैच खेले।
4. पंकज सिंह (2014-15) 2 टेस्ट मैच खेले।



राष्ट्रीय परिदृश्य



इराक के नए प्रधानमंत्री

(स्रोत: AIR)



चर्चा में क्यों?

- अली फलिह कादिम अल-जैदी ने 14 मई, 2026 को आधिकारिक तौर पर इराक के नए प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।



मुख्य बिन्दु:

- इराकी राष्ट्रपति निज़ार अमेदी ने इराक के सबसे बड़े शिया नेतृत्व वाले संसदीय गठबंधन, कोऑर्डिनेशन फ्रेमवर्क द्वारा नामित किए जाने के बाद अप्रैल, 2026 में अल-जैदी को प्रधानमंत्री पद के लिए नामित किया था।
- **इराक की राजनीतिक व्यवस्था:** इराक पश्चिम एशिया का एक संघीय संसदीय गणराज्य है। यहां प्रधानमंत्री सरकार का प्रमुख होता है, जबकि राष्ट्रपति राष्ट्र प्रमुख की भूमिका निभाते हैं। इराक की संसद को काउंसिल ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स कहा जाता है, जो एकसदनीय विधायिका है और सरकार गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वर्ष 2005 में नया संविधान लागू होने के बाद इराक ने संघीय संसदीय व्यवस्था को अपनाया।

भुवन चंद्र खंडूरी

(स्रोत: AIR और PIB)



मुख्य बिन्दु:

- हाल ही में, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता मेजर जनरल (रिटायर्ड) भुवन चंद्र खंडूरी का निधन हो गया।
- इन्होंने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के रूप में दो बार कार्यभार संभाला; पहला कार्यकाल वर्ष 2007 से वर्ष 2009 तक और दूसरा कार्यकाल वर्ष 2011 से वर्ष 2012 तक।

आयुष अनुदान पोर्टल

(स्रोत: PIB)



मुख्य बिन्दु:

- **शुभारंभ:** 19 मई, 2026 को केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव द्वारा।
- **विकास:** यह पोर्टल आयुष ग्रिड पहल के तहत आयुष मंत्रालय द्वारा विकसित किया गया है, जो मंत्रालय की विभिन्न केंद्रीय क्षेत्र योजनाओं के अंतर्गत वित्तपोषण प्रस्तावों के प्रस्तुतीकरण, प्रसंस्करण, अनुमोदन और निगरानी को सुव्यवस्थित करने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।
- **प्राथमिक उद्देश्य:** अनुदान प्रबंधन प्रक्रिया में शत-प्रतिशत पारदर्शिता, दक्षता, जवाबदेही और सुगम पहुँच सुनिश्चित करना।

इटालियन ओपन, 2026

(स्रोत: AIR)

चर्चा में क्यों?

- इटालियन ओपन, 2026 (रोम मास्टर्स) 5 से 17 मई, 2026 तक रोम, इटली के फोरो इटालिको स्टेडियम में आयोजित किया गया था। यह एक प्रमुख क्ले-कोर्ट टेनिस टूर्नामेंट है।



मुख्य बिन्दु:

- **ग्रैंड स्लैम:** ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन को सामूहिक रूप से ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट कहा जाता है। इन प्रतियोगिताओं में जीते गए खिताबों की संख्या को अक्सर किसी युग के महानतम खिलाड़ी या सर्वकालिक महानतम खिलाड़ी के निर्धारण में महत्वपूर्ण माना जाता है।

--:12:--

Daily Current Affairs

Date : 20 May, 2026



■ इटालियन ओपन, 2026:

	विजेता	उपविजेता
महिला सिंगल्स	एलिना स्वितोलिना (यूक्रेन)	कोको गॉफ (अमरीका)
पुरुष सिंगल्स	जानिक सिनर (इटली)	कैस्पर रूड (नॉर्वे)

■ **एलिना स्वितोलिना (यूक्रेन):** यह वर्ष 2018 में इटालियन ओपन जीतने के बाद उनका पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब है।

■ **जानिक सिनर (इटली):** वर्ष 1976 के बाद रोम में यह टूर्नामेंट जीतने वाले पहले इतालवी खिलाड़ी बन गए।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

■ **आस्ट्रेलियन ओपन, 2026:** 18 जनवरी से 1 फरवरी, 2026 तक मेलबर्न, विक्टोरिया में आयोजित किया गया यह वर्ष 2026 का पहला ग्रैंड स्लैम था।

प्रतियोगिता	विजेता (चैंपियंस)	उप विजेता (रनर-अप)
पुरुष एकल	कार्लोस अल्काराज़ (स्पेन)	नोवाक जोकोविच (सर्बिया)
महिला एकल	एलेना रायबाकिना (कजाकिस्तान)	आर्यना सबालेंका (बेलारूस)

ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों का क्रम:

क्रम	टूर्नामेंट	आयोजन समय	स्थान	कोर्ट प्रकार
1	ऑस्ट्रेलियन ओपन	जनवरी	मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया	हार्ड कोर्ट
2	फ्रेंच ओपन	मई-जून	पेरिस, फ्रांस	क्ले कोर्ट
3	विंबलडन	जून-जुलाई	लंदन, इंग्लैंड	घास (ग्रास) कोर्ट
4	यूएस ओपन	अगस्त-सितंबर	न्यूयॉर्क, अमेरिका	हार्ड कोर्ट

-:13:-

इतिहास एवं संस्कृति

शहीद वीर गुंडाधुर

(PIB)

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय गृह मंत्री ने बस्तर में शहीद वीर गुंडाधुर सेवा डेरा जन सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया। इस सुविधा केंद्र का उद्देश्य आदिवासी क्षेत्रों में कल्याणकारी सेवाएँ, आधार पंजीकरण और अन्य लाभ प्रदान करना है।



मुख्य बिन्दु:

शहीद वीर गुंडाधुर

- उनका जन्म बस्तर के नेतानार गाँव में धुरवा आदिवासी समुदाय में हुआ था।

प्रमुख योगदान

- भूमकाल विद्रोह (1910) का नेतृत्व किया:** यह बस्तर क्षेत्र में ब्रिटिश शासन और शोषक स्थानीय प्रशासन के खिलाफ विद्रोह था।
- आदिवासी समुदायों को संगठित किया:** उत्पीड़न और अन्याय का विरोध करने के लिए 'भूमकाल सभा' के माध्यम से जन समुदाय को संगठित किया।
- विद्रोहियों के साथ संचार की अभिनव पद्धति:** उन्होंने गाँवों में विद्रोह के संदेशों को गुप्त रूप से प्रसारित करने के लिए 'दारा मिरी' (सूखी लाल मिर्च और आम की टहनियों) का उपयोग किया।

आर्थिक घटनाक्रम

भारत- बांग्लादेश व्यापार

(स्रोत: AIR)



Daily Current Affairs

Date : 20 May, 2026



मुख्य बिन्दु:

- भारत ने अमरीका को बहुत पीछे छोड़कर बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया है।
- बांग्लादेश सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा जारी नवीनतम आँकड़ों के अनुसार, फरवरी, 2026 में बांग्लादेश के कुल व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 8.47 प्रतिशत रही, जिसका मूल्य लगभग 123 अरब टका था। अमेरिका 8.46 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ भारत के ठीक पीछे रहा।
- चीन ने बांग्लादेश के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखी है, और देश के कुल व्यापारिक में चीन योगदान 21 प्रतिशत से भी अधिक है।

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

--:16:--

भारत में संघवाद की चुनौतियाँ

(Indian express)

चर्चा में क्यों?

- पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यन और देवेश कपूर द्वारा लिखित पुस्तक 'ए सिक्स्थ ऑफ ह्यूमैनिटी: इंडिपेंडेंट इंडियाज डेवलपमेंट ओडिसी' भारत में संघवाद को लेकर बढ़ती चिंताओं को रेखांकित करती है। साथ ही, 'आम सहमति के निर्माण' को इन चिंताओं के समाधान के रूप में प्रस्तुत करती है।



मुख्य बिन्दु:

भारत में संघवाद के समक्ष मुख्य चुनौतियाँ

- **क्षेत्रीय विकास में असमानता:** दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों ने उत्तरी राज्यों की तुलना में आर्थिक रूप से अधिक तेजी से विकास किया है। इससे क्षेत्रीय असमानताएँ बढ़ी हैं।
- **उदाहरण:** विकसित राज्यों को लगता है कि बेहतर आर्थिक प्रदर्शन करने के लिए उन्हें दंडित किया जा रहा है, क्योंकि राज्यों के आर्थिक योगदान और वित्त आयोग से मिलने वाले धन के बीच अंतर बढ़ता जा रहा है।
- **टकरावपूर्ण संघवाद:** केंद्र सरकार द्वारा एकपक्षीय निर्णय लेने की प्रवृत्ति बढ़ने से परामर्श आधारित और सहकारी संघवाद कमजोर हुआ है। इससे केंद्र और राज्यों के बीच विश्वास में कमी आई है।

- **उदाहरण:** वर्ष 2020 में केंद्र सरकार द्वारा कृषि कानून बनाना, जबकि कृषि भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची के अनुसार राज्य सूची का विषय है।
- **लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर होना:** जनसंख्या नियंत्रण करने वाले राज्यों को नुकसान से बचाने के लिए लोकसभा में प्रतिनिधित्व को 1971 की जनगणना के आधार पर स्थिर रखा गया है। इससे मूल संविधान में निर्धारित लोकतांत्रिक सुधार प्रभावित हो रहे हैं।
- **केंद्रीकरण के बढ़ते मामले:** अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल द्वारा विधेयकों की स्वीकृति देने से संबद्ध शक्तियों का अनुचित उपयोग किया जा रहा है, विशेषकर उन राज्यों में जहाँ केंद्र से अलग दल की सरकार सत्ता में होती है।
- **संघवाद को सुदृढ़ करने हेतु प्रमुख पहलें**
- **अंतरराज्यीय परिषद:** इसका गठन अनुच्छेद 263 के तहत किया जाता है। इसका उद्देश्य केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय को बढ़ावा देना है।
- **GST परिषद:** इसका गठन संविधान के अनुच्छेद 279A के तहत किया गया है। इसमें केंद्र और राज्यों, दोनों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। इसका उद्देश्य जीएसटी नीतियों को तय करना है।
- **अन्य पहलें:**
- केंद्र सरकार के करों को राज्यों के बीच क्षैतिज हस्तांतरण के लिए 16वें वित्त आयोग ने एक सूत्र तैयार किया है। इसमें 10% क्षैतिज हस्तांतरण का आधार GDP में राज्यों का योगदान है।
- 73वें और 74वें संविधान संशोधन के माध्यम से स्थानीय निकायों को सशक्त बनाकर शासन के तीसरे स्तर की व्यवस्था स्थापित की गई है।
- **संघवाद को बढ़ावा देने के उपाय**
- **सरकारिया आयोग की सिफारिशों (1983) को लागू करना:** कराधान को छोड़कर अन्य सभी अवशिष्ट शक्तियों को समवर्ती सूची में स्थानांतरित किया जाए।
- **समान विकास को बढ़ावा:** पुंछी आयोग (2007) द्वारा सिफारिश की गई है।
- **संस्थानों के माध्यम से आम सहमति बनाना:** जैसे कि अंतरराज्यीय परिषद, जीएसटी परिषद, नीति आयोग आदि।

भारतीय शासन एवं राजव्यवस्था

विशेषाधिकार हनन का नोटिस

The Hindu

चर्चा में क्यों?

- राज्यसभा में एक विपक्षी दल के मुख्य सचेतक ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस प्रस्तुत किया।

मुख्य बिन्दु:

विशेषाधिकार हनन का नोटिस

- यह एक ऐसा नोटिस होता है, जिसे कोई सांसद तब उठाता है, जब उसे लगता है कि किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य सदस्य द्वारा संसद के विशेषाधिकार का उल्लंघन या सदन की अवमानना की गई है।
- संविधान के अनुच्छेद 105 के तहत संसदीय विशेषाधिकार संसद की शक्तियों, गरिमा और सुचारू संचालन की रक्षा करते हैं।
- इसमें सांसदों के कार्य में बाधा डालना, संसद को गलत जानकारी देना या सदन की गरिमा को कम करने वाले कार्य शामिल हो सकते हैं।
- इसे स्वीकार करने या अस्वीकार करने की जिम्मेदारी सदन के पीठासीन अधिकारी पर होती है। वह इसका परीक्षण करवाने के लिए विशेषाधिकार समिति को भेज सकता है।

समाजशास्त्र

स्वयं सहायता समूह और महिला सशक्तीकरण

(Source: dd news)

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने SHE-MARTs (सेल्फ हेल्प इंटरप्रेन्योर मार्ट्स) के लिए एक देशव्यापी रोडमैप प्रारंभ किए।



मुख्य बिन्दु:

- शी-मार्ट की घोषणा केंद्रीय बजट 2026-27 में की गई थी। इसका उद्देश्य महिला उद्यमियों को सशक्त बनाना है। इसके तहत स्वयं सहायता समूहों के क्लस्टर स्तर के संघों के भीतर सामुदायिक स्वामित्व वाले खुदरा स्टोर स्थापित किए जाएंगे।

महिला सशक्तीकरण में स्वयं सहायता समूहों की भूमिका

- वित्तीय समावेशन: ये समूह ग्रामीण महिलाओं में बचत, संस्थागत ऋण प्राप्ति, बीमा और डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देते हैं।

--:20:--

- **उदाहरण:** 'बैंक सखी कार्यक्रम' स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को बैंक-मित्र (बैंकिंग कॉरिस्पोंडेंट) के रूप में प्रशिक्षित करता है।
 - **उद्यमिता विकास:** SHGs महिलाओं द्वारा संचालित उद्यमों को कौशल विकास, बाजार से संपर्क और नेटवर्किंग के माध्यम से सहायता प्रदान करते हैं।
 - **राजनीतिक सशक्तीकरण:** SHGs महिलाओं में नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की शक्ति और राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाते हैं।
 - **गरीबी उन्मूलन और ग्रामीण विकास:** SHGs आजीविका सुरक्षा बढ़ाते हैं, साहूकारों पर निर्भरता कम करते हैं और समावेशी ग्रामीण विकास को बढ़ावा देते हैं।
 - **उदाहरण:** कुडुम्बश्री मॉडल महिलाओं के नेतृत्व में गरीबी उन्मूलन और बेहतर स्थानीय शासन का सफल उदाहरण है।
 - **सामाजिक सुधार:** SHGs सामूहिक जागरूकता प्रसारित करके और कार्रवाई के माध्यम से बाल विवाह, दहेज प्रथा, शराबखोरी और लैंगिक भेदभाव जैसी सामाजिक बुराइयों से निपटने में मदद करते हैं।
- महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए सरकारी पहलें**
- **दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM):** यह एक केंद्र प्रायोजित कार्यक्रम है। इसके तहत वित्तीय समावेशन के लिए 10.05 करोड़ से अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों में संगठित किया गया है।
 - **लखपति दीदी पहल:** यह पहल DAY-NRLM योजना के अंतर्गत कार्य करती है। इस पहल का उद्देश्य SHG से जुड़ी महिलाओं को कम से कम ₹1 लाख वार्षिक आय अर्जित करने में सक्षम बनाना है।
 - **अन्य पहलें:** स्वयं सहायता समूह-बैंक लिंकेज कार्यक्रम, सरस मेला आदि।

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

फारस की खाड़ी जलसंधि प्राधिकरण

(PGSA) --News on air

चर्चा में क्यों?

- ईरान ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलसंधि में कार्गो संचालन की देखरेख और प्रबंधन के लिए एक नए विनियामक निकाय PGSA के गठन की घोषणा की है।



मुख्य बिन्दु:

फारस की खाड़ी जलसंधि प्राधिकरण (PGSA)

- यह महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्ग से जुड़े घटनाक्रमों की निगरानी और संचालन के समन्वय के लिए जिम्मेदार संस्था है।
- नई व्यवस्था के तहत जहाजों को इस प्राधिकरण द्वारा जारी निर्देशों का पालन करना होगा और होर्मुज जलसंधि में प्रवेश करने से पहले ट्रांजिट परमिट प्राप्त करना होगा।
- यह होर्मुज जलसंधि के लिए ट्रांजिट टोल प्रणाली संचालित करेगा, हालांकि इसकी पूरी जानकारी अभी तक ईरान द्वारा सार्वजनिक नहीं की गई है।

--:22:--

भारत-दक्षिण कोरिया संबंध

THE HINDU

चर्चा में क्यों?

- दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के बाद भारतीय रक्षा मंत्री की सियोल यात्रा भारत-दक्षिण कोरिया संबंधों की बढ़ती मजबूती और रणनीतिक महत्त्व को उजागर करती है।



मुख्य बिन्दु:

- **राजनयिक संबंधों की शुरुआत:** भारत और दक्षिण कोरिया ने 1962 में कांसुलर संबंध और 1973 में औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित किए।
- समय के साथ उनके संबंध और गहरे होते गए, दोनों देशों ने 2010 में संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सियोल यात्रा के दौरान 2015 में इसे विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक और आगे बढ़ाया।

--:23:--

सहयोग के क्षेत्र

- **व्यापार और आर्थिक संबंध :** भारत-दक्षिण कोरिया व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए), जो 2010 से लागू है, ने द्विपक्षीय आर्थिक जुड़ाव को मजबूत किया है।
- द्विपक्षीय व्यापार इसके लागू होने के समय 14.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 26.89 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है, जो लगभग 90% की वृद्धि है।
- दक्षिण कोरिया भारत का 13वां सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेशकर्ता है, जिसने 2000 से अब तक कुल 6.91 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है।
- **रक्षा संबंध:** भारत-दक्षिण कोरिया रक्षा सहयोग 2005, 2010 और 2020 में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों द्वारा निर्देशित है, जिसमें उद्योग, रसद, अनुसंधान एवं विकास और रक्षा औद्योगिक रोडमैप शामिल हैं।
- 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत विकसित के9 वज्र-टी कार्यक्रम, भारत-दक्षिण कोरिया रक्षा सहयोग की प्रमुख परियोजना बन गई है।
- दक्षिण कोरिया की पारंपरिक पनडुब्बियों, लिथियम-आयन बैटरी प्रणालियों और हनवा ओशन जैसी कंपनियों के माध्यम से वायु-स्वतंत्र प्रणोदन प्रौद्योगिकियों में विशेषज्ञता के कारण पनडुब्बी सहयोग एक प्रमुख फोकस क्षेत्र के रूप में उभरा है।
- **सांस्कृतिक संबंध:** भारत और दक्षिण कोरिया के बीच प्राचीन सांस्कृतिक संबंध हैं।
- रवींद्रनाथ टैगोर की कविता "पूर्व का दीपक" (1929) कोरिया की सांस्कृतिक भावना को उजागर करती है और दक्षिण कोरिया में आज भी लोकप्रिय है, यहां तक कि इसे स्कूली शिक्षा में भी शामिल किया गया है।
- **लोगों के बीच आदान-प्रदान:** दक्षिण कोरिया में भारतीय समुदाय लगभग 18,000 लोगों का है, जिसमें मुख्य रूप से छात्र, शोधकर्ता और पेशेवर शामिल हैं।

⌚ विज्ञान प्रौद्योगिकी ⚠

सोलर विंड मैग्नेटोस्फीयर आयनोस्फीयर लिंक एक्सप्लोरर (SMILE) मिशन/ स्माइल मिशन

(स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस)

📢 चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) और चीनी विज्ञान अकादमी (CAS) ने सफलतापूर्वक अपना पहला पूर्णतः संयुक्त अंतरिक्ष मिशन, सोलर विंड मैग्नेटोस्फीयर आयनोस्फीयर लिंक एक्सप्लोरर (SMILE) लॉन्च किया।



📌 मुख्य बिन्दु:

- **परिचय:** यह एक संयुक्त चीनी-यूरोपीय अंतरिक्ष विज्ञान मिशन है जिसे सूर्य और पृथ्वी के चुंबकीय वातावरण के बीच की परस्पर क्रिया का अध्ययन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ESA स्माइल को एक्स-रे प्रकाश में पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर का अवलोकन करने वाला पहला मिशन बताता है, जो वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद करेगा कि सौर पवन पृथ्वी के चुंबकीय कवच के साथ कब, कहाँ और कैसे परस्पर क्रिया करती है।

--:25:--

Daily Current Affairs

Date : 20 May, 2026



- **SMILE का पूरा नाम:** सोलर विंड मैग्नेटोस्फीयर आयनोस्फीयर लिंक एक्सप्लोरर
- **लॉन्च:** 19 मई, 2026 को फ्रेंच गुयाना स्थित यूरोप के स्पेसपोर्ट से यूरोपीय वेगा-सी रॉकेट द्वारा किया गया।
- **शामिल एजेंसियाँ:** यह यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) और चीनी विज्ञान अकादमी (CAS) का संयुक्त मिशन है।
- **स्थापित:** इसे पृथ्वी के उत्तरी ध्रुव से लगभग 1.21 लाख किलोमीटर ऊपर स्थापित किया जाएगा और यह चुंबकमंडल के किनारे का संपूर्ण अवलोकन करने में सक्षम होगा।
- **उद्देश्य:** पृथ्वी की सुरक्षात्मक चुंबकीय ढाल की क्रियाशील अवस्था की पहली एक्स-रे छवियाँ प्राप्त करना, जिसमें यह सूर्य से आने वाले हानिकारक आवेशित कणों और ऊर्जाओं से लड़ती और उन्हें विक्षेपित करती है।
- **कार्य:** यह मिशन एक्स-रे, पराबैंगनी और इन-सीटू उपकरणों का उपयोग करके मैग्नेटोस्फीयर, अरोरा और सौर हवा का अवलोकन करेगा।
- **स्माइल का वजन:** लगभग 2,600 किलोग्राम
- **मिशन जीवनकाल:** लगभग 3 वर्ष

मिशन के चार प्रमुख उपकर:

उपकरण	विकास	कार्य
सॉफ्ट एक्स-रे इमेजर	ESA	यह पृथ्वी के चुंबकमंडल की एक्स-रे छवियाँ कैचर करेगा।
अल्ट्रावायलेट अरोरा इमेजर	चीनी टीम	यह पराबैंगनी प्रकाश में अरोरा का अवलोकन करेगा
लाइट आयन नालाइजर	चीनी टीम	यह पृथ्वी के निकट सौर पवन और मैग्नेटोशीथ आयनों को मापेगा।
मैग्नेटोमीटर	चीनी टीम	यह सौर पवन और मैग्नेटोशीथ में चुंबकीय क्षेत्र की शक्ति और दिशा को मापेगा।

--:26:--

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

पृथ्वी का चुंबकीय कवच: चुंबकमंडल

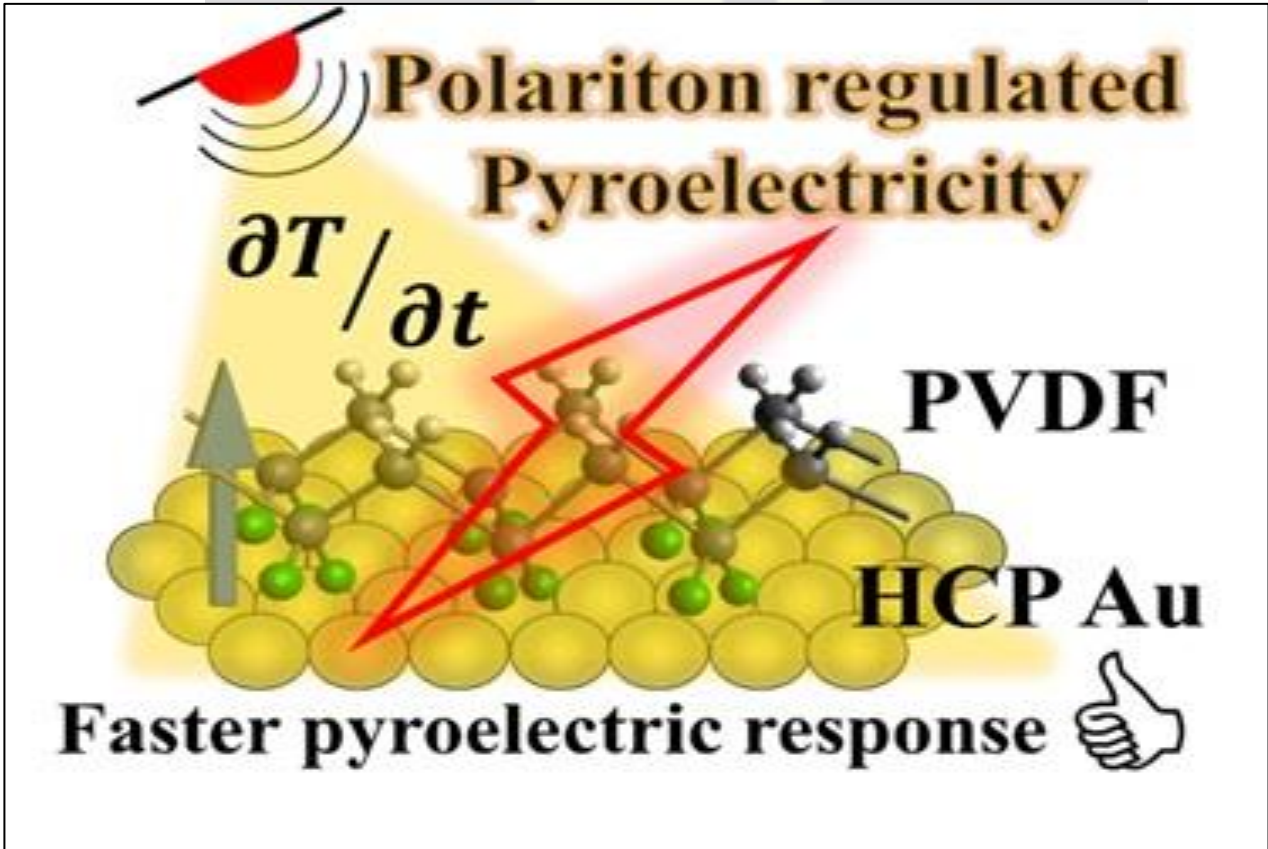
- मैग्नेटोस्फीयर पृथ्वी के चारों ओर का वह क्षेत्र है जो पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र द्वारा नियंत्रित होता है। यह ग्रह के चारों ओर एक विशाल सुरक्षात्मक बुलबुला बनाता है।
- यह पृथ्वी की रक्षा निम्न तरीकों से करता है:
 - सूर्य से आने वाले हानिकारक आवेशित कणों को विक्षेपित करना।
 - सौर पवन के प्रत्यक्ष प्रभाव को कम करना।
 - पृथ्वी के वायुमंडल के क्रमिक क्षरण को रोकना।
 - जीवन के लिए आवश्यक सहायक परिस्थितियाँ।
 - अंतरिक्ष मौसम के प्रभावों से उपग्रहों और संचार प्रणालियों की सुरक्षा करना।
- पृथ्वी का चुंबकीयमंडल स्थिर नहीं है। यह सौर पवन और सौर तूफानों की तीव्रता के आधार पर अपना आकार और आकृति बदलता रहता है।

पतली फिल्मों में नैनो-गोल्ड का समावेश

(स्रोत: PIB)

चर्चा में क्यों?

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के मोहाली स्थित स्वायत्त संस्थान नैनो साइंस एंड टेक्नोलॉजी संस्थान (INST) के वैज्ञानिकों ने यह प्रदर्शित किया है कि एक सामान्य फेरोइलेक्ट्रिक पॉलीमर में नैनोगोल्ड की एक सूक्ष्म मात्रा को मिलाने से इसकी पायरोइलेक्ट्रिक क्षमता या तापमान में परिवर्तन से बिजली उत्पन्न करने की क्षमता में नाटकीय रूप से वृद्धि होती है।



मुख्य बिन्दु:

- प्रकाशन: एडवांस्ड फंक्शनल मटेरियल्स
- शोधकर्ता: प्रोफेसर दीपांकर मंडल के नेतृत्व वाली टीम और सुदीप नास्कर

-:28:-

- **फिल्म का निर्माण:** फिल्म का निर्माण पॉलीविनाइलिडीन फ्लोराइड (PVDF) नामक फेरोइलेक्ट्रिक पॉलिमर से किया गया। जो एक लचीला बहुलक है और इसका व्यापक रूप से इलेक्ट्रॉनिक और संवेदन अनुप्रयोगों में उपयोग किया जाता है।
 - **प्रयुक्त तकनीक:** शोधकर्ताओं ने लो-डोज इन-सीटू नैनोगोल्ड रणनीति अपनाई।
 - षट्कोणीय (Hexagonal) नैनो-गोल्ड कणों ने PVDF के द्विध्रुवों (Dipoles) को सुव्यवस्थित किया।
 - इससे पायरोइलेक्ट्रिक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।
 - **शोध की विशेषताएँ:**
 1. 294-301 K तापमान सीमा में प्रभावी ऊर्जा रूपांतरण।
 2. कम ऊर्जा खपत एवं उच्च संवेदनशीलता।
 3. थर्मल तथा ऑप्टिकल उद्दीपनों पर प्रतिक्रिया देने में सक्षम।
 4. ब्रॉडबैंड ऑप्टिकल अवशोषण में वृद्धि।
 - **महत्त्व:** यह फिल्म भविष्य के स्मार्ट फोटोडिटेक्टरों, निम्न-श्रेणी के ताप संग्राहकों और स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरण निगरानी और ऊर्जा-कुशल उपकरणों से संबंधित उन्नत लचीली इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों का समर्थन कर सकती है।
- अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:**
- पायरोइलेक्ट्रिसिटी:**
- तापमान में परिवर्तन से विद्युत आवेश/वोल्टेज उत्पन्न होने की क्षमता को पायरोइलेक्ट्रिसिटी कहते हैं।
 - यह तकनीक सूक्ष्म तापीय ऊर्जा को उपयोगी विद्युत ऊर्जा में बदलती है।